

# OBSAH

|                     |          |
|---------------------|----------|
| <b>PROLOG</b> ..... | <b>7</b> |
|---------------------|----------|

## **PRVNÍ ČÁST** ..... **11**

|             |                          |     |
|-------------|--------------------------|-----|
| Kapitola 1  | SOUBĚŽNÉ ŽIVOTY .....    | 13  |
| Kapitola 2  | RODINNÉ ŠTĚSTÍ .....     | 21  |
| Kapitola 3  | POKÁNÍ.....              | 33  |
| Kapitola 4  | NOVÁ VÍRA.....           | 45  |
| Kapitola 5  | NEPOKORNÝ .....          | 53  |
| Kapitola 6  | ŽIVOTNÍ PŘEDVOLÁNÍ ..... | 63  |
| Kapitola 7  | BOHABOJNÍ .....          | 71  |
| Kapitola 8  | KAIN A ABEL.....         | 79  |
| Kapitola 9  | PRÁZDNÉ KŘESLO .....     | 89  |
| Kapitola 10 | LEKCE ANATOMIE.....      | 99  |
| Kapitola 11 | NEJVĚTŠÍ NEPŘÍTEL.....   | 107 |
| Kapitola 12 | NEJLEPŠÍ PŘÍTEL .....    | 117 |
| Kapitola 13 | MÍSTO URČENÍ .....       | 129 |

## **DRUHÁ ČÁST** ..... **137**

|             |                     |     |
|-------------|---------------------|-----|
| Kapitola 14 | VRATA PEKEL.....    | 139 |
| Kapitola 15 | SÍLA METAFORY ..... | 153 |
| Kapitola 16 | INFERNUM.....       | 159 |

|             |                                     |     |
|-------------|-------------------------------------|-----|
| Kapitola 17 | NA HRANĚ .....                      | 173 |
| Kapitola 18 | JEHOVOVA VŮLE .....                 | 179 |
| Kapitola 19 | Z REPERTOÁRU MARLENE DIETRICH. .... | 191 |
| Kapitola 20 | ZKOUŠKA SIL .....                   | 203 |
| Kapitola 21 | ZVLÁŠTNÍ ZÁSILKA .....              | 219 |
| Kapitola 22 | VELKÝ APEL .....                    | 229 |
| Kapitola 23 | KARMELITÁNKA. ....                  | 237 |

## **TŘETÍ ČÁST .....** **255**

|             |                         |     |
|-------------|-------------------------|-----|
| Kapitola 24 | POJISTKA NA ŽIVOT ..... | 257 |
| Kapitola 25 | DOBRÁ NĚMKA .....       | 269 |
| Kapitola 26 | ŘÍKEJ MI PIERRE .....   | 279 |
| Kapitola 27 | STOLAŘ Z KRAKOVA .....  | 293 |
| Kapitola 28 | ZKOUŠKA .....           | 303 |
| Kapitola 29 | PRVNÍ VZPOURA. ....     | 317 |
| Kapitola 30 | KRÁLOVNA ESTER .....    | 325 |

## **ČTVRTÁ ČÁST .....** **335**

|             |                                |     |
|-------------|--------------------------------|-----|
| Kapitola 31 | NA KRÁSNÉM MODRÉM DUNAJI. .... | 337 |
| Kapitola 32 | JÁDRO TEMNOTY .....            | 343 |
| Kapitola 33 | NA RAMPĚ .....                 | 355 |
| Kapitola 34 | TŘI STA SEKUND .....           | 367 |
| Kapitola 35 | CEJCH .....                    | 379 |
| Kapitola 36 | JEDENÁCTÝ BLOK .....           | 385 |
| Kapitola 37 | POSLEDNÍ DNY .....             | 393 |



|                       |            |
|-----------------------|------------|
| <b>EPILOG.....</b>    | <b>405</b> |
| OD AUTORA.....        | 423        |
| ROMÁN.....            | 427        |
| PODĚKOVÁNÍ .....      | 429        |
| POZNÁMKY .....        | 430        |
| <br>                  |            |
| <b>SLOVNÍČEK.....</b> | <b>431</b> |